

Gajanand Vandan Karte Hain Lyrics in Hindi and English

Gajanand Vandan Karte Hain Lyrics in Hindi

आज सभा में स्वागत है,
अभिनंदन करते हैं,
गजानंद वंदन करते हैं,
गजानंद वंदन करते हैं,
वंदन करते हैं, आज,
अभिनंदन करते हैं,
वंदन करते हैं, आज,
अभिनंदन करते हैं,
गजानंद वंदन करते हैं,
गजानंद वंदन करते हैं.....

देव तुमसा ना दूजा,
प्रथम हो तेरी पूजा,
नाम तेरे का डंका,
आज घर घर में गूंजा,
वेद पुराण शास्त्र,
सब तेरा वर्णन करते हैं,
गजानंद वंदन करते हैं,
गजानंद वन्दन करते हैं,
वंदन करते हैं, आज,
अभिनंदन करते हैं,
वंदन करते हैं, आज,
अभिनंदन करते हैं,
गजानंद वन्दन करते हैं,
गजानंद वन्दन करते हैं.....

उमा शंकर के प्यारे,
हमारे बनो सहारे,
रिद्धि सिद्धि के दाता,
भरो भंडार हमारे,
गले हार पहनाकर,
माथे चंदन करते हैं,
गजानंद वंदन करते हैं,
गजानंद वन्दन करते हैं,
वंदन करते हैं, आज,
अभिनंदन करते हैं,
वंदन करते हैं, आज,
अभिनंदन करते हैं,
गजानंद वन्दन करते हैं,
गजानंद वन्दन करते हैं.....

तेरी अद्भुत है माया,

कोड़ियो को दे काया,
भरी भक्तो की झोलियाँ,
शरण जो तेरी आया,
तेरी दया से अंधे भी,
जग दर्शन करते है,
गजानंद वंदन करते है,
गजानंद वन्दन करते है,
वंदन करते है, आज,
अभिनंदन करते है,
वंदन करते है, आज,
अभिनंदन करते है,
गजानंद वन्दन करते है,
गजानंद वन्दन करते है.....

मातृदत्त विनती करता,
लाभ शुभ देवो आकर,
श्याम सुन्दर गुण गाता,
बस तेरा ध्यान लगाकर,
दर्शन देकर करो कृपा,
तेरा सुमिरन करते है,
गजानंद वंदन करते है,
गजानंद वन्दन करते है,
वंदन करते है, आज,
अभिनंदन करते है,
वंदन करते है, आज,
अभिनंदन करते है,
गजानंद वन्दन करते है,
गजानंद वन्दन करते है.....

Gajanand Vandan Karte Hain Lyrics in English

Aaj sabha mein swagat hai,
Abhinandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai...

Dev tumsa na dooja,
Pratham ho teri pooja,
Naam tere ka danka,
Aaj ghar ghar mein goonja,
Ved puran shastra,
Sab tera varnana karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,

Abhinandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai...

Uma Shankar ke pyaare,
Hamare bano sahaare,
Riddhi Siddhi ke daata,
Bharo bhandaar hamare,
Gale haar pehnakar,
Maathhe chandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai...

Teri adbhut hai maya,
Kodiyo ko de kaaya,
Bhari bhakton ki jholiyan,
Sharan jo teri aaya,
Teri daya se andhe bhi,
Jag darshan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai...

Matridatt vinati karta,
Laabh shubh devo aakar,
Shyam Sundar gun gaata,
Bas tera dhyaan lagaakar,
Darshan dekar karo kripa,
Tera sumiran karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Vandan karte hai, aaj,
Abhinandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai,
Gajanan vandan karte hai...

About Gajanand Vandan Karte Hain Bhajan in English

“Gajanand Vandan Karte Hain” is a devotional and celebratory bhajan dedicated to **Lord Ganesha**, the remover of obstacles and the bestower of wisdom, prosperity, and success. This bhajan expresses deep reverence and devotion towards **Lord Ganesha**, highlighting his divine attributes and the blessings he brings to his devotees. It also acknowledges **Lord Ganesha’s** family, his connection with **Lord Shiva** (Shankar Ji) and **Mata Parvati** (Gauri), and his role as the one who removes all obstacles and ensures success in life.

- **Invocation and Reverence:** The bhajan begins with an invitation to **Lord Ganesha**, praising his divine presence. The repeated phrase **“Gajanand Vandan Karte Hain”** signifies the devotees’ act of offering reverence and respect to Lord Ganesha, calling upon him for blessings and protection. It is a heartfelt prayer for his presence in the lives of the devotees, ensuring their happiness and success.
- **Celebrating the Divine Family:** The bhajan mentions the divine parentage of **Lord Ganesha**, highlighting his connection to **Lord Shiva** (Bhole Shankar) and **Mata Parvati**. It acknowledges the deep bond of love and respect between Lord Ganesha and his parents, emphasizing the divine lineage and the significance of **Lord Ganesha** as the son of these two powerful deities.
- **Blessings of Riddhi and Siddhi:** A central theme of the bhajan is the request for **Lord Ganesha’s** blessings of **Riddhi** (prosperity) and **Siddhi** (success), which are believed to accompany him. The bhajan implores **Lord Ganesha** to bring these blessings into the lives of his devotees, ensuring that all their endeavors and efforts are successful.
- **Lord Ganesha as the Protector:** The bhajan recognizes **Lord Ganesha’s** role as the ultimate protector who saves his devotees from all forms of hardship. His presence is believed to bring about the removal of obstacles, and the bhajan celebrates his divine power to overcome challenges, bringing peace and success to his devotees.
- **Praise for Lord Ganesha’s Grace and Love:** The bhajan also highlights **Lord Ganesha’s** ability to bless his devotees with his divine grace. It speaks of how his blessings transcend all, and how even those in need are provided for by his boundless love and protection. The mention of **Lord Ganesha’s** compassion and ability to transform lives further deepens the devotees’ faith in his power.
- **A Prayer for Divine Intervention:** The bhajan is not only a song of praise but also a plea for **Lord Ganesha’s** intervention in the lives of his devotees. It asks for his guidance, help, and blessings, acknowledging that he is the source of all goodness and success. The repeated call for **Lord Ganesha’s** presence, “Aao Gajanand,” reflects the devotees’ desire for his constant presence and divine influence in their lives.

“Gajanand Vandan Karte Hain” is a powerful and emotional bhajan that celebrates the divine presence of **Lord Ganesha**. It acknowledges his role in removing obstacles, providing wisdom, prosperity, and success, and ensuring the welfare of his devotees. Through its melodious rhythm and heartfelt words, this bhajan serves as both a prayer and a celebration of **Lord Ganesha’s** grace and divine power. It is a song of love, devotion, and gratitude, expressing the unshakable faith of the devotees in **Lord Ganesha** as their ultimate protector and guide.

About Gajanand Vandan Karte Hain Bhajan in Hindi

“गजानंद वंदन करते हैं” भजन के बारे में

“गजानंद वंदन करते हैं” एक भव्य और भावपूर्ण भजन है, जो भगवान गणेश की महिमा और उनकी दिव्यता को समर्पित है। यह भजन भगवान गणेश को श्रद्धा और प्रेम से वंदन करते हुए उनके आशीर्वाद की प्रार्थना करता है। इस भजन में भगवान गणेश की उत्पत्ति, उनके गुण और उनकी महिमा का वर्णन किया गया है, और उन्हें समर्पित भावनाओं से भरे शब्दों में उनकी पूजा की जाती है। भजन में भगवान गणेश के साथ-साथ उनके माता-पिता, भगवान शिव और माता पार्वती का भी सम्मान किया गया है।

- **भगवान गणेश का स्वागत और वंदन :** भजन की शुरुआत में भगवान गणेश के प्रति भक्तों का प्रेम और श्रद्धा व्यक्त की गई है। “गजानंद वंदन करते हैं” के माध्यम से भक्त भगवान गणेश का सम्मान करते हैं, उनके आशीर्वाद की कामना करते हैं, और उनकी उपस्थिति को जीवन में स्वीकार करते हैं।
- **भगवान गणेश की महिमा :** भजन में भगवान गणेश को “विघ्न विनायक” और “संकट मोचन” के रूप में पूजा गया है, जो सभी प्रकार के विघ्नों और कठिनाइयों को दूर करते हैं। “गजानंद वंदन करते हैं” यह पंक्ति भगवान गणेश के शक्ति और उनकी कृपा को व्यक्त करती है, जो भक्तों के जीवन से सभी दुखों और विघ्नों को नष्ट कर देते हैं।
- **भगवान गणेश की दिव्य उत्पत्ति:** इस भजन में भगवान गणेश की उत्पत्ति का भी उल्लेख है, जिसमें माता पार्वती और भगवान शिव के पुत्र के रूप में भगवान गणेश का जन्म हुआ। उनके जन्म की कथा का आदर करते हुए भक्त उन्हें माता-पिता के आशीर्वाद से दिव्य शक्ति और कृपा का स्रोत मानते हैं।
- **रिद्धि और सिद्धि का आशीर्वाद :** भजन में भगवान गणेश से रिद्धि (समृद्धि) और सिद्धि (सफलता) की प्रार्थना की जाती है। यह आशीर्वाद भगवान गणेश के साथ हमेशा रहता है, और भक्त उनके आशीर्वाद से अपने जीवन में समृद्धि और सफलता की प्राप्ति की कामना करते हैं।
- **भगवान गणेश की कृपा :** भजन में यह भी कहा गया है कि भगवान गणेश की कृपा से जीवन में अंधे भी जग दर्शन कर सकते हैं। यह भक्तों के विश्वास को दर्शाता है कि भगवान गणेश की कृपा से कोई भी कार्य असंभव नहीं रहता, और सभी भक्त उनके आशीर्वाद से जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं।
- **भक्ति और आस्था का प्रतीक :** यह भजन भगवान गणेश की भक्ति और आस्था को व्यक्त करने का एक सुंदर तरीका है। भक्त अपने दिल से भगवान गणेश को पुकारते हैं और उन्हें अपने जीवन में स्वागत करने की प्रार्थना करते हैं, ताकि वे उनके जीवन में आकर सभी विघ्नों को दूर कर सकें और शांति और समृद्धि प्रदान करें।

“गजानंद वंदन करते हैं” भजन भगवान गणेश के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। यह भजन भगवान गणेश के दिव्य रूप, शक्ति और कृपा को स्वीकार करते हुए उन्हें जीवन में हर सुख और सफलता की कामना करता है। यह भजन भक्तों के दिलों में भगवान गणेश के प्रति एक गहरा आध्यात्मिक संबंध स्थापित करता है और उनके आशीर्वाद से जीवन को बेहतर बनाने का आह्वान करता है।